BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..................... **Date:...........................**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (22.01.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 22.01.2025, PAGE-06

एनआईआरएफ में निबंधित हुआ विवि

बीआरएबीयू

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू मंगलवार को एनआईआरएफ-2025 (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) में पंजीकृत हो गया। कुलपति प्रो. दिनेशचंद्र राय और पूर्व नगर विकास मंत्री सुरेश शर्मा ने संयुक्त रूप से एनआईआरएफ की वेबसाइट पर प्रारूप को सबमिट किया।

इस दौरान कुलानुशासक प्रो. विनय शंकर राय, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा, महाविद्यालय निरीक्षक प्रो. राजीव कुमार, एनआईआरएफ के समन्वयक डॉ. जितेश पति त्रिपाठी उपस्थित थे।

वेबसाइट पर प्रारूप सबमिट करते वीसी और पूर्व नगर विकास मंत्री।

आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा ने बताया कि कुलपति की पहल पर पहलीबार विश्वविद्यालय एनआईआरएफ में पंजीकृत हुआ है। एनआईआरएफ की प्रक्रिया देश स्तर पर वर्ष 2015 से चल रही है। एनआईआरएफ में पंजीकृत होने से विश्वविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बन जाती है। नैक मूल्यांकन सहित यूजीसी, रूसा, सीएसआईआर, आईसीएचआर, एनईपी के अलावा भारत सरकार एवं बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त अनुदान एवं अन्य अकादमिक लाभ मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

Ref:.................... **Date:.........................**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 22.01.2025, PAGE-06

दिव्यांग छात्र को मिला अंकपत्र

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू ने एबीवीपी की पहल पर मंगलवार को एक दिव्यांग छात्र को अंकपत्र दिया। एबीवीपी के कार्यकारिणी सदस्य शिवांशु सिंह, दीपक यादव और योगेंद्र उपाध्याय ने रजिस्ट्रार प्रो. अपराजिता कृष्ण से मिलकर दिव्यांग छात्र की समस्या के बारे में बताया। रजिस्ट्रार ने एक घंटे में दिव्यांग छात्र को उसके पीजी का अंकपत्र दिलवाया।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE:22.01.2025
PAGE-06

वीसी के निर्देशन में बना केले के आटे व बाजरे का स्नैक्स

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय के निर्देशन में केले के आटे और बाजरे को मिलाकर स्नैक्स मुरक्को बनाया गया है। इसपर अध्ययन बीएचयू के फूड टेक्नोलॉजी विभाग के छात्र टॉमली साहा ने वीसी के मार्गदर्शन में किया। वीसी ने बताया कि इस आहार से कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग, सूजनरोधी, न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार आदि के खतरों को कम किया जा सकता है। कहा, अबतक चावल के आटे से बनाया जाता था। पहलीबार इसमें केले के आटे और बाजरे का इस्तेमाल किया गया है। इससे यह कई गुणा पोषण देगा। इस शोध को रिसर्च जर्नल में भी प्रकाशित किया गया है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

HINDUSTAN (E-PAPER), MUZAFFARPUR, DATE:22.01.2025

एनआईआरएफ में निबंधित हुआ बीआरएबीयू

बीआरएबीयू मंगलवार को एनआईआरएफ-2025 (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) में पंजीकृत हो गया। कुलपति प्रो. दिनेशचंद्र राय और पूर्व नगर विकास मंत्री स

हिन्दुस्तान

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता बीआरएबीयू मंगलवार को एनआईआरएफ-2025 (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) में पंजीकृत हो गया। कुलपति प्रो. दिनेशचंद्र राय और पूर्व नगर विकास मंत्री सुरेश शर्मा ने संयुक्त रूप से एनआईआरएफ की वेबसाइट पर प्रारूप को सबमिट किया। इस दौरान कुलानुशासक प्रो. विनय शंकर राय, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा, महाविद्यालय निरीक्षक प्रो. राजीव कुमार, एनआईआरएफ के समन्वयक डॉ. जितेश पति त्रिपाठी उपस्थित थे।

आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा ने बताया कि कुलपति की पहल पर पहलीबार विश्वविद्यालय एनआईआरएफ में पंजीकृत हुआ है। एनआईआरएफ की प्रक्रिया देश स्तर पर वर्ष 2015 से चल रही है। एनआईआरएफ में पंजीकृत होने से विश्वविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बन जाती है। नैक मूल्यांकन सहित यूजीसी, रूसा, सीएसआईआर, आईसीएचआर, एनईपी के अलावा भारत सरकार एवं बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त अनुदान एवं अन्य अकादमिक लाभ मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

एनआईआरएफ के अन्तर्गत विश्वविद्यालय को विद्यार्थियों के नामांकन के लिए स्वीकृत संख्या, छात्रों एवं छात्राओं की कुल संख्या, प्लेसमेंट, उच्च शिक्षा में प्रगति, शोधार्थियों की संख्या, प्रयोगशाला, उपकरण, संसाधन, पुस्तकालय, प्राध्यापकों की अकादमिक उपलब्धियां, बजट, सतत पोषणीय विकास, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध परियोजना आदि का विवरण देना होता है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 22.01.2025, PAGE-06

अब मेरिट के आधार पर होगा छात्रावास का आवंटन

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब नई व्यवस्था के तहत तैयार होगा प्रस्ताव, वार्डन की बैठक शीघ्र

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब मेरिट के आधार पर छात्रावासों का आवंटन किया जाएगा। इसका प्रस्ताव विश्वविद्यालय की ओर से तैयार किया जा रहा है। जल्द ही वार्डन समेत अन्य की बैठक बुलाकर इसकी पूरी रूपरेखा तैयार की जाएगी। साथ ही छात्रावास आवंटन के लिए विद्यार्थी के पास अपना अपार कार्ड होना अनिवार्य होगा। बगैर अपार बनाए कोई भी छात्र या छात्रा को अब छात्रावास आवंटित नहीं किया जा सकेगा। बताया जा रहा है कि छात्रावास आवंटन के लिए कई छात्र और छात्राएं अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भी कई डिप्लोमा स्तरीय कोर्स में नामांकन ले लेते हैं। इसके बाद वे छात्रावास आवंटन के लिए आवेदन करते हैं। पिछले दिनों ही विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से यह घोषणा की जा चुकी है कि छात्रावासों में केवल जरूरतमंद विद्यार्थी ही रहेंगे। लंबे समय से बंद पड़े कमरों का ताला तोड़ा जाना है। नए सत्र में पीजी में होने वाली नामांकन की प्रक्रिया में

- छात्र-छात्राओं के पास अपना अपार कार्ड होना अनिवार्य
- लंबे समय से बंद पड़े कमरों का तोड़ा जाना है ताला

विश्वविद्यालय स्तर से फर्स्ट च्वाइस में गृह जिले वाले कालेजों को वरीयता दिए जाने की बात कही गई है। विश्वविद्यालय स्तर से योजना तैयार की गई थी कि बेतिया का छात्र अगर पीजी विभागों में नामांकन लेता है और अगर उसे छात्रावास नहीं मिलता है तो अधिक दूरी होने के कारण कक्षाओं में उसकी उपस्थिति कम हो सकती है। ऐसे में अगर वह छात्र अपने घर के नजदीक वाले कालेज में नामांकन लेगा तो उसकी उपस्थिति भी सुधर जाएगी। साथ ही इससे पीजी विभागों में नामांकन के लिए होने वाली भीड़ भी कमेगी। दूसरी ओर विश्वविद्यालय के पास अब छात्रावास में काफी सीटें खाली हैं। ऐसे में अधिक से अधिक छात्राओं को छात्रावास आवंटित किए जाने का योजना है। पीजी विभागों में छात्राओं के नामांकन होने से उन्हें छात्रावास का लाभ मिलेगा साथ ही वे कक्षाओं में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकेंगी। बताया जा रहा है कि विश्वविद्यालय की ओर से मेरिट के आधार पर छात्रावास आवंटन समेत अन्य मांगों को लेकर जल्द ही बैठक बुलाई जाएगी।

एनआइआरएफ पोर्टल पर विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रेशन

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) 2025 के पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। मंगलवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी राय, विश्वविद्यालय के अधिकारी समेत अन्य की उपस्थिति में यह संपन्न हुआ। एनआइआरएफ की वेबसाइट पर प्रारूप को सबमिट किया गया है। कुलपति के आवासीय कार्यालय में प्राक्टर प्रो. बीएस राय, आइक्यूएसी निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा, इंस्पेक्टर आफ कालेजेज आर्ट्स डा. राजीव कुमार, एनआइआरएफ के समन्वयक डा. जितेश पति त्रिपाठी भी मौजूद थे। आइक्यूएसी निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा ने बताया कि

पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करते कुलपति प्रो. डीसी राय • जागरण

एनआइआरएफ की प्रक्रिया देश स्तर पर वर्ष 2015 से चल रही है। पंजीकृत होने से विश्वविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बन जाती है। नैक मूल्यांकन सहित यूजीसी, रूसा, सीएसआइआर, आइसीएचआर, एनइपी के अलावा भारत सरकार व बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से प्रदत्त अनुदान व अन्य अकादमिक लाभ मिलने की संभावना बढ़ जाती है। दूसरी ओर अब पोर्टल पर विश्वविद्यालय को नामांकन के लिए स्वीकृत संख्या, छात्रों व छात्राओं की कुल संख्या, प्लेसमेंट, उच्च शिक्षा में प्रगति, शोधार्थियों की संख्या, प्रयोगशाला, उपकरण, संसाधन, पुस्तकालय, प्राध्यापकों की अकादमिक उपलब्धियां, बजट, सतत पोषणीय विकास, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध परियोजना आदि का निर्धारित विवरण प्रस्तुत करना होता है।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE: 22.01.2025, PAGE-06

नाश्ते के लिए मुरुक्कू बनाने का फार्मूलेशन पेश

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी राय के निर्देशन में पारंपरिक भारतीय नाश्ते के एक स्वस्थ संस्करण मुरुक्कू का विकास किया गया है। इसमें हरे केले का आटा और मोटे अनाज शामिल हैं। कुलपति के नेतृत्व में बीएचयू के डेयरी, विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग में एमएससी खाद्य प्रौद्योगिकी के छात्र टोमाली साहा, मिजोरम विश्वविद्यालय के मनीष कुमार सिंह और बीएचयू के डा. अरविंद कुमार सहित शोध दल ने पोषण संरचना का विश्लेषण किया।

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:22.01.2025, PAGE-04

संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क से पंजीकृत हुआ विवि

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

एनआइआरएफ (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) में बीआरएबीयू पंजीकृत हुआ. वीसी प्रो दिनेश चंद्र राय व पूर्व नगर विकास मंत्री सुरेश शर्मा ने संयुक्त रूप से एनआइआरएफ की वेबसाइट पर प्रारूप को सबमिट किया. आइक्यूएसी के निदेशक प्रो कल्याण झा ने बताया कि वीसी प्रो दिनेश चंद्र राय की पहल एवं कुशल मार्गदर्शन में पहली बार विवि एनआइआरएफ में पंजीकृत हुआ है. एनआइआरएफ की प्रक्रिया देश स्तर पर वर्ष 2015 से चल रही है. नैक मूल्यांकन सहित यूजीसी, रूसा, सीएसआइआर, आइसीएचआर, एनइपी के अलावा भारत सरकार एवं बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त अनुदान व अन्य अकादमिक लाभ मिलने की संभावना बढ़ जाती है. आइक्यूएसी टीम एवं एनआइआरएफ के समन्वयक के कठिन परिश्रम से यह कार्य संभव हुआ. एनआइआरएफ में पंजीकृत होने से विवि की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बन जाती है.

एनआइआरएफ से सभी डेटा होगा अपडेट

एनआइआरएफ के तहत विवि को विद्यार्थियों के नामांकन के लिए स्वीकृत संख्या, छात्र-छात्राओं की कुल संख्या, प्लेसमेंट, उच्च शिक्षा में प्रगति, शोधार्थियों की संख्या, प्रयोगशाला, उपकरण, संसाधन, पुस्तकालय, प्राध्यापकों की अकादमिक उपलब्धियां, बजट, सतत पोषणीय विकास, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध परियोजना आदि का तय विवरण पेश करना होता है. आइक्यूएसी के निदेशक ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए कुलपति व टीम के प्रति आभार प्रकट किया. वीसी के आवासीय कार्यालय में इस दौरान महाविद्यालय निरीक्षक (कला-वाणिज्य) प्रो राजीव कुमार, एनआइआरएफ के समन्वयक डॉ जितेश पति त्रिपाठी उपस्थित थे.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE : 22.01.2025, PAGE-06

हरे केले व मोटे अनाज से बना मुरुक्कु स्नैक्स स्वास्थ्यवर्धक

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने एक अध्ययन में पारंपरिक भारतीय नाश्ते के एक स्वस्थ संस्करण मुरुक्कू के विकास का नेतृत्व किया है. इस अभिनव फॉर्मूलेशन में हरे केले का आटा व मोटे अनाज शामिल हैं, जो समकालीन आहार वरीयताओं के साथ नाश्ते के पोषण मूल्य को अहम रूप से बढ़ाते हैं. कुलपति के नेतृत्व में, एमएससी खाद्य प्रौद्योगिकी के छात्र टोमाली साहा, मिजोरम विवि के मनीष सिंह व बीएचयू के डॉ अरविंद कुमार सहित शोध दल ने इस नये मुरुक्कू की पोषण संरचना का सावधानीपूर्वक

मुरुक्क स्नैक्स का किया अध्ययन.

विश्लेषण किया.

जानकारी दी गयी कि यह शोध खाद्य पदार्थों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है. पारंपरिक पाक-कला पद्धतियों को अत्याधुनिक पोषण विज्ञान के साथ जोड़कर प्रो राय व उनकी टीम ने हरे केले के आटे व बाजरे के दानों जैसी कम इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री की क्षमता को टिकाऊ और स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स बनाने के लिए प्रदर्शित किया है. वहीं उच्च-रिजॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करते हुए, उन्होंने 40 प्रमुख बायोएक्टिव मेटाबोलाइट्स की पहचान की, जिनमें जिनसनोसाइड, ओरोटिक एसिड और टोकोट्रिएनॉल जैसे यौगिक शामिल हैं. ये यौगिक अपने कई स्वास्थ्य लाभों के लिए जाने जाते हैं.जैसे कि कैंसर, मधुमेह व हृदय रोगों के जोखिम को कम करना, साथ ही साथ एंटी-इंफ्लेमेटरी और न्यूरोप्रोटेक्टिव गुण होना.

पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थों पर जोर. प्रो राय ने कहा कि यह शोध आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान के साथ संयुक्त होने पर पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थों की अपार क्षमता को प्रदर्शित करता है. हरे केले के आटे व बाजरा जैसे कम उपयोगी और पौष्टिक तत्वों को शामिल करके, हम अधिक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ स्नैक विकल्प बना सकते हैं. उन्होंने इन सामग्रियों को हमारे दैनिक आहार में शामिल करने के महत्त्व पर जोर देते हुए कहा, ₹बाजरा और हरे केले आवश्यक पोषक तत्वों के समृद्ध स्रोत हैं. पिछले एक वर्ष में कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने 14 उच्च स्तरीय शोध पत्रिकाओं में अपने शोध प्रकाशित किया है.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

VISHWA GURU BHARAT, MUZAFFARPUR, DATE : 22.01.2025, PAGE-05

बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एनआईआरएफ-2025 (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) में पंजीकृत हुआ

कुलपति प्रो.दिनेश चन्द्र राय की पहल एवं कुशल मार्गदर्शन में पहली बार विश्वविद्यालय एनआईआरएफ में पंजीकृत हुआ है: प्रो. कल्याण कुमार झा, आईक्यूएससी निदेशक

कोमल शाही (विश्व गुरु भारत)

मुजफ्फरपुर। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एनआईआरएफ-2025 (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) में पंजीकृत हुआ। कुलपति प्रो॰ दिनेश चंद्र राय और बिहार सरकार के पूर्व नगर विकास मंत्री श्री सुरेश शर्मा ने संयुक्त रूप से एनआईआरएफ के वेबसाइट पर प्रारूप को सबमिट किया। कुलपति के आवासीय कार्यालय में पूर्वाह्ण 11.00 बजे बी.आर.ए. बिहार विश्व. विद्यालय के कुलानुशासक प्रो॰ बी॰एस॰ राय, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो॰ कल्याण कुमार झा, महाविद्यालय निरीक्षक (कला/वाणिज्य) प्रो॰ राजीव कुमार, एनआईआरएफ के समन्वयक डॉ॰ जितेश पति त्रिपाठी की उपस्थिति में यह आयोजन सम्पन्न हुआ। आईक्यूएसी के निदेशक प्रो॰ कल्याण कुमार झा ने बताया कि कुलपति प्रो॰ दिनेश चन्द्र राय की पहल एवं कुशल मार्गदर्शन में पहली बार विश्वविद्यालय एनआईआरएफ में पंजीकृत हुआ है। एनआईआरएफ की प्रक्रिया देश स्तर पर वर्ष 2015 से चल रही है। आईक्यूएसी टीम एवं एनआईआरएफ के समन्वयक के कठिन परिश्रम से यह कार्य संभव हुआ। एनआईआरएफ में पंजीकृत होने से विश्वविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बन जाती है। नैक मूल्यांकन सहित यूजीसी, रूसा, सीएसआईआर, आईसीएचआर, एनईपी के अलावा भारत सरकार एवं बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त अनुदान एवं अन्य अकादमिक लाभ मिलने की संभावना बढ़ जाती है। आईक्यूएसी निदेशक ने कुलपति के इस सकारात्मक अकादमिक प्रयास की भूरि-भूरि सराहना की। एनआईआरएफ के अन्तर्गत विश्व. विद्यालय को विद्यार्थियों के नामांकन के लिए स्वीकृत संख्या, छात्रों एवं छात्राओं की कुल संख्या, प्लेसमेंट, उच्च शिक्षा में प्रगति, शोधार्थियों की संख्या, प्रयोगशाला, उपकरण, संसाधन, पुस्तकालय, प्राध्यापकों की अकादमिक उपलब्धियाँ, बजट, सतत पोषणीय विकास, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध परियोजना आदि का निर्धारित विवरण प्रस्तुत करना होता है। आईक्यूएसी के निदेशक ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए कुलपति महोदय एवं आईक्यूएसी टीम के प्रति आभार प्रकट किया।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..................... **Date:..........................**

VISHWA GURU BHARAT, MUZAFFARPUR, DATE:22.01.2025, PAGE-01

इस शोध के माध्यम से कुलपति द्वारा यह संदेश दिया गया है कि इन कम उपयोग वाले बाजरा और हरे फलों का उपयोग कर दैनिक जीवन में बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है

कोमल शाही (विश्व गुरु भारत)

मुजफ्फरपुर। जैसा कि वैश्विक खाद्य उद्योग तेजी से कार्यात्मक नैक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, एक अग्रणी अध्ययन ने हरे केले के आटे और बाजरा अनाज से बने जातीय सैक्स, मुरुक्कू का एक अभिनव फॉर्मूलेशन पेश किया है। डेयरी विज्ञान एवं खारा प्रौद्योगिकी विभाग में एमएससी फूड टेक्नोलॉजी के छात्र टॉमली साहा ने यह काम बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित बाबा भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति और कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्व. विद्यालय, वाराणसी के वरिष्ठ प्रोफेसर दिनेश चंद्र राय की देखरेख में किया है।

टीम के अन्य सदस्य श्री मनीष कुमार सिंह, खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग, मिजोरम विश्व. विद्यालय, आइजोल, और डॉ. अरविंद कुमार, सहायक प्रोफेसर, डीएसएफटी, बीएचयू, वाराणसी थे। यह अनोखा फॉर्मूलेशन आधुनिक आहार संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप, पारंपरिक बैंक की पोषण संबंधी प्रोफाइल को बढ़ाता है। प्रतिष्ठित जर्नल फूड एंड ह्यूमैनिटी में प्रकाशित अध्ययन में 40 प्रमुख बायोएक्टिव मेटाबोलाइट्स की उच्च-रिजॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री- आधारित पहचान पर प्रकाश डाला गया, जिसमें जिनसैनोसाइड, ऑरोटिक एसिड, कैम्पेस्टेरिल ग्लूकोसाइड, टोकोट्रिएनॉल, एपिजेनिन आदि शामिल हैं। ये यौगिक अपने स्वास्थ्य-प्रचार गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग, सूजनरोधी, न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार आदि के खतरों को कम करना।

यह शोध मुरुक्कू जैसे जातीय सैक में बायोएक्टिव मेटाबोलाइट्स की गैर-लक्षित खाद्य विज्ञान-आधारित प्रोफाइलिंग के लिए प्रथम शोध है। यह टिकाऊ, स्वास्थ्य वर्धक खाद्य पदार्थ बनाने में कम उपयोग किए गए अवयवों, जैसे हरे केले का आटा और बाजरा अनाज के बीच तालमेल को प्रदर्शित करता है। अध्ययन कार्यात्मक खाद्य अनुसंधान में सटीक प्रोफाइलिंग और गुणवत्ता आश्वासन के लिए मेटाबोलॉमिक्स जैसे फूडोमिक्स टूल की क्षमता पर भी प्रकाश डालता है। यह शोध दुनिया भर में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं की मांगों को पूरा करने के लिए पारंपरिक पाक प्रथाओं को अत्याधुनिक पोषण विज्ञान के साथ विलय करते हुए जातीय सैक फॉर्मूलेशन में भविष्य के नवाचारों का मार्ग प्रशस्त करता है। इस शोध के माध्यम से कुलपति द्वारा यह संदेश दिया गया है कि इन कम उपयोग वाले बाजरा और हरे फलों का उपयोग कर दैनिक जीवन में बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

EDUCATIONAL NEWS PAPER (DIGITAL E-PAPER)
DATE : 22.01.2025, PAGE-01

ED NEWS
डीजिटल ई-पेपर
educational news
• वर्ष:05 बुधवार,22 जनवरी, 2025 हिन्दी दैनिक निःशुल्क

बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर का हुआ एमआईआरफ में प्रवेश

संवाददाता। एजुकेशनल न्यूज

प्रो० दिनेश चंद्र राय एवं पूर्व विकासमंत्री श्री सुरेश शर्मा ने किया संयुक्त रूप से शुभारंभ

मुजफ्फरपुर। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एनआईआरएफ-2025 (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) में पंजीकृत हुआ। कुलपति प्रो० दिनेश चंद्र राय और बिहार सरकार के पूर्व नगर विकास मंत्री श्री सुरेश शर्मा ने संयुक्त रूप से एनआईआरएफ के वेबसाइट पर प्रारूप को सबमिट किया। कुलपति के आवासीय कार्यालय में पूर्वाह्न 11.00 बजे बी. आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो० बी०एस० राय, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो० कल्याण कुमार झा, महाविद्यालय निरीक्षक (कला/वाणिज्य) प्रो० राजीव कुमार, एनआईआरएफ के समन्वयक डॉ० जितेश पति त्रिपाठी की उपस्थिति में यह आयोजन सम्पन्न हुआ।

आईक्यूएसी के निदेशक प्रो० कल्याण कुमार झा ने बताया कि कुलपति प्रो० दिनेश चन्द्र राय की पहल एवं कुशल मार्गदर्शन में पहली बार विश्वविद्यालय एनआईआरएफ में पंजीकृत हुआ है। एनआईआरएफ की प्रक्रिया देश स्तर पर वर्ष 2015 से चल रही है। आईक्यूएसी टीम एवं एनआईआरएफ के समन्वयक के कठिन

परिश्रम से यह कार्य संभव हुआ। एनआईआरएफ में पंजीकृत होने से विश्वविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बन जाती है। बैंक मूल्यांकन सहित यूजीसी, रूसा, सीएसआईआर, आईसीएचआर, एनईपी के अलावा भारत सरकार एवं बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त अनुदान एवं अन्य अकादमिक लाभ मिलने की संभावना बढ़ जाती है। आईक्यूएसी निदेशक ने कुलपति के इस सकारात्मक अकादमिक प्रयास की भूरि-भूरि सराहना की। एनआईआरएफ के अन्तर्गत विश्वविद्यालय को विद्यार्थियों के नामांकन के लिए स्वीकृत संख्या, छात्रों एवं छात्राओं की कुल संख्या, प्लेसमेंट, उच्च शिक्षा में प्रगति, शोधार्थियों की संख्या, प्रयोगशाला, उपकरण, संसाधन, पुस्तकालय, प्राध्यापकों की अकादमिक उपलब्धियाँ , बजट, सतत पोषणीय विकास, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध परियोजना आदि का निर्धारित विवरण प्रस्तुत करना होता है। आईक्यूएसी के निदेशक ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए कुलपति महोदय एवं आईक्यूएसी टीम के प्रति आभार प्रकट किया।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

DAINIK BHASKAR, E-PAPER, MUZAFFARPUR
DATE:22.01.2025, PAGE-01

बीआरएबीयू एनआईआरएफ पर पंजीकृत राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी विवि की पहचान

- अनुदान व अन्य अकादमिक लाभ मिलने की संभावना बढ़ी

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय एनआईआरएफ-2025 (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) में पंजीकृत हुआ है। कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय और पूर्व नगर विकास मंत्री सुरेश शर्मा ने संयुक्त रूप से एनआईआरएफ की वेबसाइट पर प्रारूप को सबमिट किया। उस दौरान बीआरएबीयू के कुलानुशासक प्रो. बीएस राय, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा, महाविद्यालय निरीक्षक (कला/वाणिज्य) प्रो. राजीव कुमार, एनआईआरएफ के समन्वयक डॉ. जितेश पति त्रिपाठी उपस्थित थे।

आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा ने बताया कि कुलपति की पहल एवं कुशल मार्गदर्शन में पहली बार विश्वविद्यालय एनआईआरएफ में पंजीकृत हुआ है। एनआईआरएफ की प्रक्रिया देश स्तर पर वर्ष 2015 से चल रही है। एनआईआरएफ में पंजीकृत होने से विश्वविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बन जाती है। इसपर रजिस्टर्ड िविवि को कई तरह के फायदे होते हैं।

नैक मूल्यांकन सहित यूजीसी, रूसा, सीएसआईआर, आईसीएचआर, एनईपी के अलावा भारत सरकार एवं बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त अनुदान एवं अन्य अकादमिक लाभ मिलने की संभावना बढ़ जाती है। एनआईआरएफ के अंतर्गत विश्वविद्यालय को विद्यार्थियों के नामांकन के लिए स्वीकृत संख्या, छात्रों-छात्राओं की कुल संख्या, प्लेसमेंट, उच्च शिक्षा में प्रगति, शोधार्थियों की संख्या, प्रयोगशाला, उपकरण, संसाधन, पुस्तकालय, प्राध्यापकों की अकादमिक उपलब्धियां, बजट, सतत पोषणीय विकास, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध परियोजना आदि का निर्धारित विवरण प्रस्तुत करना होता है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..................... **Date:..........................**

INDIA EDUCATION DIARY, MUZAFFARPUR, DATE : 22.01.2025

BIHAR | UNIVERSITY NEWS

BR Ambedkar Bihar University Makes NIRF Debut!

By India Education Diary ... — On Jan 21, 2025

Share

BR Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur has achieved a significant milestone by registering in the National Institutional Ranking Framework (NIRF) for the year 2025. This landmark achievement, led by Vice Chancellor Prof. Dinesh Chandra Rai, marks the university's first entry into the prestigious NIRF rankings. The registration was jointly submitted by Vice Chancellor Prof. Dinesh Chandra Rai and former Bihar Urban Development Minister Mr. Suresh Sharma on the official NIRF website today.

"This registration in NIRF is a significant step forward for BRA Bihar University," stated Vice Chancellor Prof. Dinesh Chandra Rai. "It reflects our dedication to providing high-quality education and our commitment to continuous improvement."

The registration process involved the submission of comprehensive data on various aspects of the institution, including student enrollment, research output, faculty qualifications, infrastructure, and placement records. This rigorous evaluation process will contribute to enhancing the university's national visibility and recognition.

"This achievement opens new doors for BRA Bihar University," continued Prof. Rai. "It will not only enhance our national reputation but also increase our opportunities to secure grants and other forms of academic support from various funding agencies, including the University Grants Commission (UGC) and the Government of India. This will empower us to further strengthen our academic programs, improve our infrastructure, and provide an even better learning experience for our students."

This achievement is a result of the hard work and dedication of the entire university community, including the faculty, staff, and students. It reflects the university's commitment to academic excellence and its continuous efforts to improve the quality of education it provides, Prof. Rai concluded.

The milestone event was attended by esteemed faculty members including Proctor Prof. B.S. Rai, IQAC Director Prof. Kalyan Kumar Jha, College Inspector (Arts/Commerce) Prof. Rajiv Kumar, NIRF Coordinator Dr. Jitesh Pati Tripathi, Dr. Amar Shukla, Dr. Navin Kumar, and others.